http://www.rdvvonline.com

Printed Pages- 7

D-4007

B. A. (First Year) Examination, March 2019

(New Private)

HINDI LITERATURE

Paper : Second

(हिन्दी कथा साहित्य)

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 50

नोट : सभी तीनों खण्डों के प्रश्न निर्देशानुसार हल कीजिए। अंकों का विभाजन खण्डों के साथ दिया गया है।

खण्ड-अ $5 \times 1 = 5$

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

http://www.rdvvonline.com

1. सही विकल्प का चयन कीजिए—

(i) गबन उपन्यास की नायिका है—

(अ) जोहरा

(ब) रतन

(स) जालपा

(द) जग्गो

(ii) 'आपका बंटी' बंटी की माँ का नाम है—

(अ) शकुन

(ब) मीरा

(स) कृष्णा

(द) नीरा

(iii) किशोरी लाल गोस्वामी की कहानी 'इन्दुमति' किस पत्रिका में प्रकाशित हुई—

(अ) इन्दू

(ब) सुदर्शन

(स) छत्तीसगढ़

(द) सरस्वती

http://www.rdvvonline.com

http://www.rdvvonline.com

(iv) 'धर्मयुग' के प्रधान संपादक कौन थे—

(अ) मुक्तिबोध

(ब) धर्मवीर भारती

(स) यशपाल

(द) अज्ञेय

(v) 'जिन्दगी नामा' उपन्यास के रचनाकार है—

(अ) मालती जोशी

(ब) मृदुला सिन्हा

(स) मीनाक्षी गोस्वामी

(द) कृष्णा सोबती

खण्ड-ब 4×3=12

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है।

X. जालपा में आभूषण प्रियता कैसे उत्पन्न हुई?

अथवा

फूफी की कहानियाँ बंटी को किस तरह प्रभावित करती है?

http://www.rdvvonline.com

http://www.rdvvonline.com

X. हिन्दी कहानी के उद्भव पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

अथवा

मीनाक्षी स्वामी की प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए।

X. प्रेमचन्द की पाँच कहानियों के नाम लिखिए।

अथवा

'दोपहर का भोजन' कहानी में निहित उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

X. धर्मवीर भारती के तीन प्रमुख कहानी संग्रहों के नाम लिखिए।

अथवा

कृष्णा सोबती के कथ्य एवं शिल्प पर संक्षेप में लिखिए।

खण्ड-स

[(अ)-दीर्घ उत्तरीय प्रश्न] 2×9=18

X. 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

'आपका बंटी' उपन्यास का कथानक लिखिए।

7. 'मारे गए गुलफम उर्फ तीसरी कसम' कहानी का सारांश लिखिए।

http://www.rdvvonline.com

http://www.rdvvonline.com

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी के कथ्य शिल्प एवं भाषा शैली की विशेषताएँ लिखिए।

खण्ड-स

[(ब)-व्याख्या]

8. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग, ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 3×5=15

(i) शायद वह समझता था, इसमें आत्मा है ही नहीं। अगर वह रूपलावण्य की राशि न होती, तो कदाचित वह बोलना भी पसन्द न करता। उसका सारा आकर्षण उसकी सारी आसक्ति केवल उसके रूप पर थी। वह समझता था जालपा इसी में प्रसन्न है। अपनी चिन्ताओं के बोझ से वह उसे दाबना नहीं चाहता था, पर आज उसे ज्ञात हुआ, जालपा उतनी ही चिन्तनशील है, जितना वह खुद था।

अथवा

चीजों को सही तरीके से लेना सीखो, शकुन! मैं जानता हूँ कि तुम्हें इस बात में तरह-तरह की गंध आ रही होगी। जिस स्थिति में तुम हो, उसमें यह बहुत स्वाभाविक भी है। जब आदमी एक जगह धोखा खाता है तो उसे लगता है, सब जगह धोखा ही धोखा है। पर ऐसा होता नहीं है।

http://www.rdvvonline.com

http://www.rdvvonline.com

(ii) तुम भी अपनी कुर्सी तय कर लो बेटे। बोलो इधर बैठोगे या उधर? सभी की अपनी जगह तय है, अपनी कुर्सियाँ तय है, बस उसी का कुछ तय नहीं है, जो बचा है उसमें से ही कुछ चुन लेना है। वह चुपचाप जोत के पासवाली कुर्सी पर बैठ गया। मन को कहीं एक अनमना-सा भाव छूकर निकल गया।

अथवा

मुंशी जी का ज्वर इस समय कुछ उतरा हुआ था। रतन को देखते ही बोले बड़ा दुःख हुआ देवी जी, मगर यह तो संसार है। आज एक की बारी है, कल दूसरे की बारी है। यही चल-चलाव लगा हुआ है। अब मैं भी चला। नहीं बच सकता। बड़ी प्यास है जैसे छाती में कोई भट्ठी जल रही हो फूँका जाता हूँ कोई अपना नहीं होता। बाई जी संसार के नाते सब स्वार्थ के बने हैं।

http://www.rdvvonline.com

(iii) साहब बड़ी रुचि से फुलकारी देखने लगे। पुरानी फुलकारी थी, जगह जगह से उसके तागे टूट रहे थे और कपड़ा फटने लगा था। साहब की रुचि को देखकर श्यामनाथ बोले, यह फटी हुई, साहब मैं अच्छी नई बनवा दूँगा। माँ बना देंगी। क्यों, माँ, साहब को फुलकारी बहुत पसन्द है, इन्हें ऐसी ही फुलकारी बना दोगी न?

अथवा

http://www.rdvvonline.com

http://www.rdvvonline.com

[7]

माँ को सोचने में एक दिन लगा था। बहुत सोच-समझकर बोली, बेटा! बेटा! मैं क्या कर सकती हूँ? विशेष पढ़ी-लिखी भी नहीं। एक उपाय मन में आया है—गाँव लौटने का। चलो वहाँ जमीन भी है ओर मेरे हिस्से की एक बड़ी कोठरी और आँगन का कोना। तुम्हारे पापा के सिर ढाई बीघा जमीन होने का बड़ा शोर सुना था। हमने उसका उपयोग नहीं किया।

http://www.rdvvonline.com

http://www.rdvvonline.com

http://www.rdvvonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Your old paper & get 10/-
पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.rdvvonline.com